MHNHC-2.2

Sl. No.

II Semester M.A. Degree Examinations, May/June-2025
HINDI
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य
(CBCS SLM Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instruction:- All Sections are compulsory.

SECTION - A

I. किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1) खने खन नयन कोन अनुसरई, खेन खन बसन धूलि तन भाई
खने खन दसन छटा छुटा हास। खने खन अधर आगे गहु बास।
चउकि चलए खने खए चलमंद, मन मथ पाठ पहिल अनुबन्ध।
हिरदय मुकुल हेरि हेरि थोर। खने आँचल दए खने होय भरे।
बाला सैसव तारुत भेंट। लखए न पारिअ जेठ कनेठ।

2) रमनी काजर सम, भीम भुजंगम, कुलिस पडए दुरबार।।
गरज तरस मन,ऐसे बरिस घन, संसय पड अभिसार।
चरन बेघन फनि,हित कय मानस धनि,नेपुर न करए रोला
सुमिखि पुछी तोहि, सरुपकसहि मोहि, सिनेह कतए दुर ओल।।

3) देखि मानसर रुप सुहावा। हिय हुलास पुरइन होई छाया।
भा अंधियार रैनि मसि छूटी। भा भिनसार किरन रवि फूटी।।
अस्ति अस्ति सब साथी बोले। अंध जो अहै नैन विधि खोले।
जो अस आव साधि तप जोगू। पूजै आस मान रस भोगू।।

4) सारद कोटि अमित चतुराई।
विधि सत कोटि सृष्टि निपुनाई।।
विष्णु कोटि सम पालन कर्ता।
रुद्र कोटि सतसम संहर्ता।।

[P.T.O.

5) किधौं घन गरजत नहिं उन देसनि?
किध वहि इन्द्र हठिहि हरि बरज्यो दादुर खाए सेसनि।
किधी वहि देस बकन मग छांड्यो घर बूढ़ति न प्रवेसनि
किधी वहि देस मोर चातक पिक बघित न बधे विसेषनि
किधौं वहि देस मोर बाल नहिं झूलति गावत गीत सहेसनि?
पथिक न चखत सूर के प्रभु पै जासों कहाँ सदेसनि।

6) साधो पाँडे निपून कसाई
बकरी मारि भेडि को धाये,दिल में दरद न आई।
करि अस्नान तिलक दै बैठे, विधि सीं देवि पुजाई।।
आतम मारि पलक में बिनसे,रुधिर की नदी बहाई।।
अति पुनीत ऊँचे कुल कहिए,सभा माहि अधिकाई।।
इनसे दिच्छा सब कोई मांगे, हँसि आवै मोहि भाई।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7) पठित पद्यांश के आधार पर घनानन्द का प्रकृति चित्रण का विश्लेषण कीजिए।

8) पठित पद्यांश के आधार पर बिहारी का वियोग वर्णन का विश्लेषण कीजिए।

9) पठित पद्यांश के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के दार्शनिक विचारों पर एक लेख लिखिए।

10) ''कविता लिखना कबीर का उद्देश्य नहीं था बल्कि समाज सुधार करना चाहते थे''–इस कथन का समर्थन कीजिए।

11) सूरदास और पुष्टिमार्गीय भक्ति का विवेचन कीजिए।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12) भावपक्ष और कला पक्ष की दृष्टि से विद्यापति की पदावली का विश्लेषण कीजिए।

13) 'पद्मावती समय' के काव्य–सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

14) पठित 'पद्मावत' के आधार पर जायसी का रहस्यवाद का विश्लेषण कीजिए।

15) पठित पद्यांश के आधार पर बिहारी की वाग्वैदग्धता का विवेचन कीजिए।